७ : पापा खो गए

प्रश्नावली

नाटक से-

प्रश्न 1. नाटक में आपको सबसे बुद्धिमान पात्र कौन लगा और क्यों?

प्रश्न 2- पेड़ और खंभे में दोस्ती कैसे हुई?

प्रश्न 3- लैटरबक्स को सभी लाल ताऊ कहकर क्यों पुकारते थे?

प्रश्न 4- लाल ताऊ किस प्रकार बाकी पात्रों से भिन्न है?

प्रश्न 5- नाटक में बच्ची को बचानेवाले पात्रों में एक ही सजीव पात्र है। उसकी कौन-कौन सी बातें आपको मज़ेदार लगीं? लिखिए।

प्रश्न 6- क्या वजह थी कि सभी पात्र मिलकर भी लड़की को उसके घर नहीं पहुँचा पा रहे थे?

नाटक से आगे-

प्रश्न 1- मराठी से अनूदित इस नाटक का शीर्षक 'पापा खो गए' क्यों रखा गया होगा ? अगर आपके मन में कोई दूसरा शीर्षक हो तो सुझाइए और साथ में कारण भी बताइए।

प्रश्न 2- क्या आप बच्ची के पापा को खोजने का नाटक से अलग कोई और तरीका बता सकते हैं?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 3- क्या आप बच्ची के पापा को खोजने का नाटक से अलग कोई और तरीका बता सकते हैं?

अनुमान और कल्पना-

प्रश्न 1- अनुमान लगाइए कि जिस समय बच्ची को चोर ने उठाया होगा वह किस स्थिति में होगी? क्या वह पार्क/मैदान में खेल रही होगी या घर से रूठकर भाग गई होगी या कोई अन्य कारण होगा?

प्रश्न 2- नाटक में दिखाई गई घटना को ध्यान में रखते हुए यह भी बताइए कि अपनी सुरक्षा के लिए आजकल बच्चे क्या-क्या कर सकते हैं। संकेत के रूप में नीचे कुछ उपाय सुझाए जा रहे हैं। आप इससे अलग कुछ और उपाय लिखिए।

- समूह में चलना।
- एकजुट होकर बच्चा उठानेवालों या ऐसी घटनाओं का विरोध करना।
- अनजान व्यक्तियों से सावधानीपूर्वक मिलना।

भाषा की बात -

प्रश्न 1- आपने देखा होगा कि नाटक के बीच-बीच में कुछ निर्देश दिए गए हैं। ऐसे निर्देशों से नाटक के दृश्य स्पष्ट होते हैं, जिन्हें नाटक खेलते हुए मंच पर दिखाया जाता है, जैसे-'सड़क/रात का समय...दूर कहीं कुत्तों के भौंकने की आवाज़।' यदि आपको रात का दृश्य मंच पर दिखाना हो तो क्या-क्या करेंगे, सोचकर लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 2- पाठ को पढ़ते हुए आपका ध्यान कई तरह के विराम चिह्नों की ओर गया होगा। अगले पृष्ठ पर दिए गए अंश से विराम चिह्नों को हटा दिया गया है। ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उपयुक्त चिह्न लगाइए-

मुझ पर भी एक रात आसमान से गड़गड़ाती बिजली आकर पड़ी थी अरे बाप रे वो बिजली थी या आफ़त याद आते ही अब भी दिल धक-धक करने लगता है और बिजली जहाँ गिरी थी वहा खड्डा कितना गहरा पड़ गया था खंभे महाराज अब जब कभी बारिश होती है तो मुझे उस रात की याद हो आती है, अंग थरथर काँपने लगते हैं।

प्रश्न 3- आसपास की निर्जीव चीज़ों को ध्यान में रखकर कुछ संवाद लिखिए, जैसे-

- चॉक का ब्लैक बोर्ड से संवाद
- कलम का कॉपी से संवाद
- खिड़की का दरवाज़े से संवाद

प्रश्न 4- उपर्युक्त में से दस-पंद्रह संवादों को चुनें, उनके साथ दृश्यों की कल्पना करें और छोटा सा नाटक लिखने का प्रयास करें। इस काम में अपने शिक्षक से सहयोग लें।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर

<u>नाटक से-</u>

उत्तर 1- नाटक का सबसे समझदार पात्र कौआ है क्योंकि कौए की युक्ति के कारण ही लेटरबॉक्स सन्देश लिख पाता है एवं लड़की उस दुष्ट आदमी के चंगुल से बच जाती है।
इसके अलावा कौए के पास सारा समाचार रहता है और वो सबको हर बात घूम घूम कर बताता है जो लोगो के काम आती है।

उत्तर 2- हमेशा आस पास खड़े रहने के बावजूद भी खम्भा अपनी अकड़ के कारण पेड़ से कुछ नहीं बोलता है। परन्तु एक दिन जोर की आंधी के करण जब गिरते खम्भे को पेड़ चोट सहकर सरलता से बचा लेता है तो खम्भे का घमंड टूट जाता है और दोनों में दोस्ती हो जाती है।

उत्तर 3- लेटरबॉक्स का रंग लाल था और वह पूरी तरह से लाल रंग से पुता हुआ था, इसके अलावा लेटरबॉक्स की बाते हमेशा बड़ो जैसी और समझदारी भरी होती थी तो सभी उसे प्यार से लाल ताऊ कहकर पुकारा करते थे!

उत्तर 4- लाल ताऊ नाटक के सभी पत्रों में सबसे भिन्न है क्योंकि सिर्फ लाल ताऊ को ही पढ़ना लिखना आता है वो इधर उधर जा सकता है

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

और नाच भी सकता है। लाल ताऊ दोहे और भजन भी गाता है इस प्रकार लाल ताऊ सबसे भिन्न है।

उत्तर 5- नाटक में बच्ची को बचाने वाले सभी पत्रों में सिर्फ एक ही पात्र सजीव है और वो है कौआ।कौए की कुछ मज़ेदार बातें निम्न है।
१- पेड़ राजा सुबह होने पर आप अपनी घनी छाया इस बच्ची पर किये रखना जिससे ये देर तक आराम से सोती रहेगी।
२- लाल ताऊ के भजनों से परेशान होकर वो गुस्से में उनसे बोलना छोड़ देता है।
३- कहता है ताऊ यहाँ बैठे बैठे कैसे ज़माने भर की बात पता चलेगी उसके लिए तो मेरी तरह चारो दिशाओं में गस्त लगनी पड़ेगी न।
४- वह दुष्ट है कौन? नज़र तो आने दीजिये।

उत्तर 6- नाटक के सभी पात्र छोटी लड़की को लेकर चिंतित थे और वो सब लड़की को उसके घर पहुंचाना चाहते थे पर ऐसा संभव नहीं हो पा रहा था क्योंकि लड़की की उम्र काफी कम थी और वो इतनी भोली थी की वो उसे अपने घर का पता नहीं पता था यहाँ तक की उसे अपने पापा का नाम तक नहीं पता था। ऐसी परिस्थितियों में लड़की को घर पहुँचाना मुश्किल हो पा रहा था।

<u>नाटक से आगे-</u>

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर 1- लड़की काफी छोटी थी और उसको अपने घर का पता और उसके पिता का नाम तक नहीं पता था और नाटक के किसी दृश्य से ऐसा कुछ समझ में भी नहीं आ रहा है।इसे अतिरिक्त नाटक में सब पात्र मिलकर बच्ची के पिता को ढूंढने के उपाय ढूँढ रहे हैं, जिस कारण एकांकी का शीर्षक पापा खो गए रखा गया होगा।
वास्तव में बच्ची अपने पिता से बिछड़ कर खो गयी है, एकांकी का शीर्षक लापता बच्ची या फिर गुमशुदा बच्ची भी रखा जा सकता था क्योंकि नाटक के अधिकांश भाग में बच्ची के ही नाम पते को पता करने की कोशिश की जा रही है!

उत्तर 2- वर्तमान परिवेश में सब लोग एक दूसरे से कही न कही जुड़े ही होते हैं सामान्यतः तो पुलिस स्टेशन जाकर बच्ची का व्योरा पुलिस को दिया जा सकता है जिससे पुलिस खुद बच्चे के घर का पता लगाकर उसे उसके घर वालो को सौंप देगी। इसके अतिरिक्त अखबारों में, दूरदर्शन पर और सोशल मीडिया जैसे की फेसबुक और व्हाट्सप्प की मदद से बच्ची की गुमशुदगी की खबर को प्रसारित करके भी बच्ची के पापा को खोजा जा सकता है!

उत्तर 3- छात्र स्वयं करें।

<u>अनुमान और कल्पना-</u>

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर 1- नाटक को पढ़ कर ऐसा लगता है की चोर ने बच्ची को उसके घर से उठाया था क्योंकि वो कहता है की-
"अभी अभी एक घर से ये बच्ची उठायी है मैंने गहरी नींद में सो रही थी"
इसके अलावा अगर बच्ची किसी पार्क या मैदान से उठायी होती तो वो जाग गयी होती और चीखती चिल्लाती जिससे लोग उसे बचाने जरूर आते पर ऐसी किसी घटना का उल्लेख नाटक में नहीं किया गया है अतः बच्ची को सोते हुए घर से ही उठाया गया होगा!

उत्तर 2- छोटे बच्चो को हमेशा अपने माता पिता अथवा किसी बड़े परिचित के साथ ही बाहर जाना चाहिए और उसका हाथ पकड़ कर रखना चाहिए।

किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा दी जाने वाली कोई भी खाने पिने की चीज़ को नहीं लेना चाहिए।

कोई अनजान व्यक्ति अगर आपको लालच दे अथवा परेशान करे तो उसका विरोध करना चाहिए और चीखना चाहिए हैं जिससे की आस पास के लोग आपकी सहायता करने के लिए आ जाएँ।

भाषा की बात -

उत्तर 1- रात का समय दिखाने के लिए मंच की रौशनी कम करके पीछे ऊपर एक काला कपड़ा लगाया जा सकता है! मंच पर कुछ तारे एवं एक चाँद भी लगाया जा सकता है साथ ही दृश्य को और भी ज्यादा सजीव

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

बनाने के लिए आधी राते में जलती एक रौशनी के बीच सड़क के कुत्तो के रह रहकर भोंकने की आवाज़ भी उतपन्न की जा सकती है!

उत्तर 2- पाठ से लिए गए उपर्युक्त खंड को ध्यान से पढ़ने के पश्चात निम्न प्रकार से विराम चिन्ह एवं अलप विराम चिन्हों को लगाया जा सकता है।

मुझ पर भी एक रात आसमान से गड़गड़ाती बिजली आकर पड़ी थी। अरे बाप रे। वो बिजली थी या आफ़त; याद आते ही अब भी दिल धक-धक करने लगता है और बिजली जहाँ गिरी थी, वहाँ खड्डा कितना गहरा पड़ गया था। खंभे महराज! अब जब कभी बारिश होती है तो मुझे उस रात की याद आती है, अंग थरथर काँपने लगते हैं।

उत्तर 3-

<u>चॉक का ब्लैक बोर्ड से संवाद-</u>

चॉक- मैं कितनी गोरी हूँ
ब्लैक बोर्ड- हां वो तो तुम हो
चॉक-और तुम कितने काले हो!
ब्लैक बोर्ड- हम दोनों कितने अलग अलग हैं न?
चॉक- हाँ, पर तुम काले हो तभी मैं तुमपर सब लिख पाती हो और सुंदर लगता है।
ब्लैक बोर्ड- हां, और सब बच्चे पढ़ते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

कलम का कॉपी से संवाद-

कलम- मैं सभी को बहुत ज्यादा प्रिय हूँ
कॉपी- हाँ वो तो तुम हो
कलम- सभी लोग हमेशा मुझे अपने पास रखते हैं
कॉपी- हां क्योंकि तुम्हारी जरूरत सबको पड़ती रहती है न
कलम- तुमको पता है एक बात?
कॉपी- क्या बात? बताओ तो!
कलम- मुझे लगता है न की इस दुनिया में मेरे बिना कुछ नहीं हो सकता!
कॉपी- देखो कलम तुम अच्छी हो और सबको तुम्हारी जरूरत हमेशा रहती है पर ऐसे घमंड नहीं करते!
कलम- क्यों? बात तो सही है न, तुम क्या जानो खुद एक जगह पड़ी रहती हो जब मेरा मन करे आकर तुमपर लिख कर चली जाती हूँ!
कॉपी- तुम चाहें कितनी भी खूबसूरत हो जाओ या फिर कितना ही लोगो की पसंद बन जाओ पर लिखने के लिए तो तुम्हे मुझसे ही कागज़ मांगना पड़ेगा न?
इसलिए कभी हमें घमंड नहीं करना चाहिए हैं!
कलम- ठीक है कॉपी, मुझे माफ़ करदो!

खिड़की का दरवाज़े से संवाद-

खिड़की- भैया हम दोनों के नए नए पर्दे कितने अच्छे हैं न?
दरवाज़ा- हां खिड़की, बहुत अच्छे हैं और एक जैसे भी हैं!
खिड़की- एक जैसे तो हैं पर आपके पर्दे बड़े क्यों हैं?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

दरवाज़ा- खिड़की, मेरे पर्दे बड़े इसलिए हैं की अगर छोटे रह गए तो नीचे से तो सब दिखेगा न?
और मैं लम्बा भी हूँ तो बड़े पर्दे चाहिए हैं!
खिड़की- पर भैया मेरे पर्दे बड़े कब होंगे?
दरवाज़ा- जब तुम बड़ी हो जाओगी तो तुम्हारे पर्दे भी बड़े हो जायेंगे!

उत्तर 4: छात्र स्वयं करें

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in